विज्ञान

नासा के चित्र में नजर आया सूर्य की रोशनी वाला शनि का उत्तरी ध्रुव

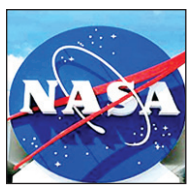

नासा के कैसिनी अंतरिक्ष यान ने शनि ग्रह की एक दुर्लभ तस्वीर ली है जिसमें इस वलयधारी ग्रह का पूरा उत्तरी हिस्सा सूर्य की रोशनी में नजर आ रहा है।

भारतीय समय में अतिरिक्त एक सेकेंड जोड़ा गया

पृथ्वी की घूर्णन घड़ी से तालमेल स्थापित करने के लिए रविवार को पांच बजकर 29 मिनट 59 सेकेंड पर भारतीय घड़ी में एक सेकेंड जोड़ा गया।

जनवरी में एक ही बार में 83 उपग्रहों का प्रक्षेपण करेगा इसरो

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा है कि वह जनवरी के अंत में प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी37 का इस्तेमाल करके एक ही बार में रिकॉर्ड 83 उपग्रहों का प्रक्षेपण करेगा।

2017 में ग्रहण के चार गजब नजारे, भारत में दिखेंगे दो ग्रहण

नए साल 2017 में सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा की 'त्रिमूर्ति' दुनिया के खगोल प्रेमियों को ग्रहण के चार रोमांचक दृश्य दिखायेगी। हालांकि, भारत में इनमें से केवल दो खगोलीय घटनाओं के नजर आने की उम्मीद है।

यह साल एक सेकेंड लंबा होगा, जानिए क्यों होगा ऐसा?

यह साल 2016 एक सेकेण्ड लंबा होगा। नववर्ष की पूर्वसंध्या पर वैश्विक घड़ी में एक 'लीप सेकेण्ड' के जुड़ने के कारण ऐसा होगा। वाशिंगटन डीसी के अमेरिकी नौसेना वेधशाला के मास्टर क्लॉक फेसिलिटी में समन्वित वैश्विक समय) यूटीसी) के अनुसार 23 बजकर 59 मिनट और 59 सेकेण्ड पर अतिरिक्त सेकेण्ड जोड़ा जाएगा। भारतीय मानक समय के अनुसार एक जनवरी को सुबह 05-29-59 पर यह इजाफा प्रभावी होगा।

चीन में सबसे उम्रदराज 31 साल के नर पांडा की मौत

दुनिया के सबसे उम्र दराज नर पांडा पैन पैन की सिचुआन प्रांत में मौत हो गयी। 31 साल का यह पांडा कैंसर से पीड़ित था। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार पांडा की मौत के कारण की जांच के लिए ऑटोप्सी टेस्ट किया जा रहा है, हालांकि मौत की परिस्थितियां संदिग्ध नहीं हैं।

वन विभाग की दी गई सूचना, तब खदेड़े गए भालू

दो शावक के साथ मादा भालू पहुंची जिंदल एयरपोर्ट, अलर्ट

न्यायासाक्षी/रायगढ़।

रायगढ़-भूपदेवपुर मुख्य सड़क मार्ग के बीच स्थित जिंदल एयरपोर्ट पर तीन भालू के पहुंचने के बाद हडकंप मच गया। आनन-फानन में वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। उसके बाद टीम, हवाई पट्टी पर पहुंच कर भालू को जंगल की ओर भगाने की कवायद में जुट गई। विभाग की माने तो दो शावक के साथ मादा भालू, पिछले 2-3 दिनों से उक्त क्षेत्र में विचरण कर रही है। संबंधित बीट गार्ड को भालूओं पर नजर बनाए रखने को कहा गया है।

रायगढ़-भूपदेवपुर मुख्य सड़क मार्ग पर अगर आपको इन दिनों भालू नजर आए जाए तो कोई हैरानी की बात नहीं, क्योंकि

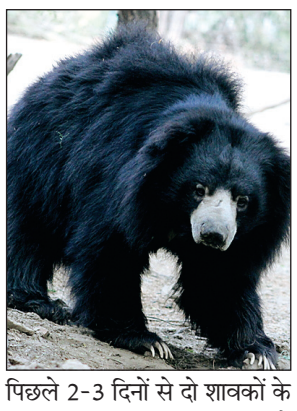

पिछले 2-3 दिनों से दो शावकों के साथ एक मादा भालू, पहाड़ से नीचे उतर पर भोजन की तलाश में भटक रही है। इस बीच मादा व दो शावक भालूओं को शुक्रवार की देर शाम, जिंदल एयरपोर्ट के रन-वे पर भी देखा गया था। जिसकी पुष्टि स्थानीय कॉलोनी के लोग कर रहे हैं। हवाई पट्टी पर भालू की मौजूदगी ककी देखते हुए आनन-फानन में मामले की जानकारी वन विभाग को दी गई। जिसके बाद विभागीय अधिकारी व बीटगार्ड, भालू की खोज कर उसे जंगल की ओर खदेड़ने में जुट गए। विभाग की माने तो पहाड़ से नीचे उतरे भालू को जंगल की ओर खदेड़ दिया गया है। पर भोजन की तलाश में उसके द्वारा फिर से नीचे उतरने को आशंका से इंकार भी नहीं किया जा सकता है। टीपाखोल का जंगल भी उनका स्थायी ठिकाना है।

स्थानीय लोगों को किया अलर्ट

क्षेत्र में भालूओं की मौजूदगी को देखते हुए स्थानीय लोगों, खासकर सड़क किनारे वाले ग्रामीणों को अलर्ट किया गया है। वहीं भालू को देखने के बाद कोई विशेष हरकत नहीं करने की नसीहत दी गई, जिससे भालू को आक्रमक ना हो। इस बीच संबंधित बीट गार्ड को भी भूपदेवपुर-रायगढ़ मुख्य मार्ग के साथ भालूओं की गतिविधियों पर नजर रखने की नसीहत दी गई है।

> **जिंदल हवाई पट्टी पर दो शावकों के साथ एक मादा भालू के पहुंचने की खबर मिली थी। टीम द्वारा बगैर देरी किए उक्त स्थान पर पहुंच कर भालूओं को जंगल की ओर खदेड़ने की पहल की गई है। वहीं स्थानीय लोगों को भी अलर्ट रहने की नसीहत दी गई है।**
>
> **एचएस यादव,** डिप्टी रेंजर, रागयढ़।

यात्री का मिला पर्स तो लौटाने रेलवे स्टेशन पहुंची छात्रा

न्यायासाक्षी/रायगढ़।

शहर के बीड़पारा निवासी एक छात्रा को 6400 रूपए से भरा पर्स मिला। जिसमें एक रेलवे का आरक्षण टिकट भी था। जो रविवार की दोपहर अप उत्कल एक्सप्रेस का था। छात्रा आरक्षक टिकट के साथ रेलवे स्टेशन पहुंची। वहीं रेल टिकट के जरिए पर्स वाले व्यक्ति की खोज शुरू की। इस कड़ी में छात्रा रेलवे के रिजर्वेशन टिकट काउंटर भी गई। जहां यात्री के आरक्षण टिकट के जरिए उसकी पहचान व कोई संपर्क नंबर मिल सके। पर आरक्षण काउंटर पर भी छात्रा को कोई मदद नहीं मिली। ऐसे में, उसने रूपए से भरे पर्स को जीआरपी के सुपूर्द कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार शहर के बीड़पारा निवासी इस छात्रा का नाम ओसीन पिता मो. अशरफ है। मिली जानकारी के अनुसार पीएनबी बैंक के नजदीक रहने वाली इस छात्रा को घर के बाहर रूपए से भरा एक पर्स मिला। जिसमें दो हजार, पांच सौ के अलावा कुछ सौ के नोट भी थे। इसके साथ उस पर्स में रायगढ़ से मथुरा व मथूरा से रायगढ़ का एक टिकट भी था। रायगढ़ से मथुरा जाने वाले टिकट में यात्रा तारीख 8 जनवरी यानी रविवार थीं जो कि उत्कल एक्सप्रेस का था। ऐसे में, छात्रा अपने परिजनों के साथ उक्त पर्स के साथ रेलवे स्टेशन पहुंची। जहां पर्स वाले व्यक्ति को उसका रेल टिकट व रूपए दिया जा सके। सबसे पहले छात्रा ने रेलवे के रिजर्वेशन टिकट काउंटर पर यात्रा के वैध टिकट के साथ व्यक्ति की जानकारी व संपर्क नंबर लेने की कोशिश की। पर आरक्षण टिकट काउंटर पर उसको ऑन ड्यूटी रेलकर्मी द्वारा कोई मदद नहीं मिली। इसके बाद छात्रा ने इंक्वायरी की मदद से एनांउसमेंट कराई। उसके बावजूद भी जब उक्त पर्स को लेकर कोई दावेदार नहीं आया तो छात्रा ने उस पर्स को जीआरपी के हवाले कर दिया। जीआरपी ने जब पर्स की जांच की तो उसमें 6 हजार 400 रूपए नकद के अलावा एक मतदाता पहचान पत्र भी मिला। जिसपर धनेश्वर साहू पिता कैलाश साहू, बिलाईगढ़ रायपुर लिखा हुआ था। छात्रा प्रशंसा की पात्र है।

रेलवे के क्रिकेट में इंजीनियरिंग बी, लोको ए व एसएम ने दर्ज की जीत

तय समय पर नहीं पहुंची आरपीएफ, आईओडब्ल्यू को मिला वाक ओवर

न्यायासाक्षी/रायगढ़।

रेलवे के अंतरविभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता की शुरूआत रविवार को गुड्स गार्ड और इंजीनियरिंग बी टीम के बीच हुई। जिसमें इंजीनियरिंग टीम ने अहम जीत दर्ज की। जबकि दो अन्य मैच में लोको ए व स्टेशन मास्टर की टीम ने जीत दर्ज की। वहीं तय समय पर आरपीएफ की टीम के नहीं पहुंचने की वजह से आईओडब्ल्यू की टीम को वाक ओवर दे दिया गया। रायगढ़ स्टेडियम में हो रहे इस प्रतियोगिता को लेकर रेलकर्मियों में खासा उत्साह देखा गया।

मिली जानकारी के अनुसार शहर के बोईरदादर स्थित रायगढ़ स्टेडियम में रविवार की सुबह रेलवे के अंतरविभागीय क्रि केट प्रतियोगिता का आगाज हुआ। जिसमें उद्घाटन मैच इंजीनियरिंग बी व गुड्स गार्ड के बीच खेला गया। जिसमें गुड्स गार्ड की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 79 रन बनाया। उसके जवाब में उतरी इंजीनियरिंग बी की टीम ने उक्त स्कोर को एक विकेट गंवाने के साथ ही प्राप्त कर दिया। गुड्स गार्ड की टीम से देवेंद्र ने 26 जबकि इंजीनियरिंग बी टीम से विनोद चौहान से सबसे अधिक 30 रन बनाए। दूसरा मैच लोको ए व सिग्नल एंड टेलीकॉम टीम के साथ हुआ। जिसमें लोको ए की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। वहीं 12 ओवर में 72 रन बनाया। जिसमें उपेंद्र गुप्ता ने सबसे अधिक 18 रन बनाए। 72 रन के जवाब में उतरी सिग्नल एंड टेलीकॉम की पूरी टीम 44 रन के स्कोर पर आउट हो गई। तीसरा मैच स्टेशन मास्टर व कंस्ट्रक्शन विभाग के बीच हुआ। जिसमें स्टेशन मास्टर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 106 रन का विशाल स्कार खड़ा किया। जिसके जवाब में उतरी कंस्ट्रक्शन की टीम ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। पर एक छोर से उसके लगतार गिरते विकेट की वजह से पूरी टीम 100 रन के अंदर ही आउट हो गई। ऐसे में, करीब 25 रन से स्टेशन मास्टर की टीम ने जीत दर्ज की। इस बीच एडीईएन समीर माथूर, सचिव पी फ्रांसिस, शशांक कोष्टा, पीं ईश्वर राव, अनुज गुप्ता, बीपी साहू, एलएल राठौर, डीके पटनायक, प्रवीन छड़िमलिक, एस धनराज राव, एसएस शर्मा व अन्य मौजूद थे।

81 हजार से ज्यादा फर्जी किसानों ने बेचा 21 लाख क्विंटल धान

बिलासपुर। बिलासपुर संभाग के पांच जिलों की 422 समितियों में 81 हजार 166 फर्जी किसानों के नाम सामने आए हैं, जिनके पास खेती लायक जमीन का टुकड़ा भी नहीं है। इसके बाद भी इनके नाम समर्थन मूल्य पर 21 लाख 55 हजार 614 क्विंटल धान बेचा गया है। राशन कार्ड से आधार नंबर के मिलान से गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। खबर के बाद कलेक्टर ने फर्जी धान खरीदी को लेकर संभाग के पांच जिलों में जांच का आदेश दिया था। इसके बाद खाद्य विभाग व जनपद पंचायत के अधिकारियों ने जांच शुरू की। पटवारियों को पंजीकृत किसानों की जानकारी जुटाने घर-घर भेजा गया। साथ ही राशन कार्ड के डेटाबेस व आधार नंबर का मिलान किया गया है। संभाग के 5 जिलों में 81 हजार 166 ऐसे लोगों के नाम सामने आए हैं जिनके पास खेती करने लायक जमीन ही नहीं है। इसके बाद भी लाखों रुपए का धान बेच दिया है। सबसे ज्यादा फर्जीवाड़ा बिलासपुर जिले में सामने आया है। यहां 28 हजार 250 फर्जी किसानों की जानकारी मिली है, जो

जिला	फर्जी किसान
बिलासपुर	- 28,250
कोरबा	- 5,962
मुंगेली -	17,540
रायगढ़ -	8,595

भूमिहीन हैं। इसी तरह जांजगीर-चांपा में 20 हजार 819, मुंगेली में 17 हजार 540, रायगढ़ में 8 हजार 595 व कोरबा में 5 हजार 962 लोगों के नाम का खुलासा हुआ है।

बेचने की यह है शर्त

गौर करने वाली बात ये है कि ये सभी फर्जी किसान बीपीएल श्रेणी के अंतर्गत आते हैं और मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना के तहत इनको राशन कार्ड जारी किया गया है। कार्ड को आधार नंबर से लिंक कर दिया गया है। जांच के दौरान बीपीएल कार्डधारकों के नाम धान बेचने वाले किसानों के रूप में सामने आए हैं। समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए प्रति एकड़ 12 क्विंटल धान बेचने की छूट दी गई है। लिहाजा पांच एकड़ में खेती करने वाला किसान 60 क्विंटल धान बेच सकता है। इससे अधिक धान बेचने का अधिकार नहीं है। अधिया व रेगहा लेने वाले कृषक मजदूरों को भी इसी श्रेणी में रखा गया है। सीमांत कृषक की श्रेणी में ढाई एकड़ में खेती करने वालों को रखा गया है। नियमों के अनुसार ऐसे किसान साड़े 37 क्विंटल धान बेच सकते हैं।

ये है गड़बड़ी के कारण

समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए कृषक मजदूरों के अलावा अधिया व रेगहा में खेती करने वाले को भी पंजीयन कराने की छूट दी थी। इसके लिए उन किसानों की सहमति को अनिवार्य किया गया है जिनकी भूमि पर वे खेती करते हैं। भूमि स्वामी को शपथ पत्र के आधार पर अनुमति देने की शर्त रखी गई थी। शासन के निर्देशानुसार 81 हजार 166 फर्जी किसान जो वास्तव में बीपीएल श्रेणी के अंतर्गत आने वाले राशन कार्डधारक हैं। अब इनका राशन कार्ड निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

डिप्टी रेंजर के चार्ज देने व लेने को लेकर विभाग में तनातनी

विभागीय अधिकारी उहा-पोह की स्थिति में, इधर डीएफओ फिर छुट्टी पर

न्यायासाक्षी/रायगढ़।

वन विभाग के रायगढ़ रेंज में इनदिनों डिप्टी रेंजर के पद का चार्ज लेने व देने को लेकर तनातनी की स्थिति है। मामला वनपाल के मंत्रालय से लाए गए प्रमोशन लेटर से जुड़ा है। विभागीय अधिकारी भी मंत्रालय के पत्र को तरजीह देते हुए वर्तमान डिप्टी रेंजर को प्रभार सौंपने की नसीहत दे रहे हैं। जबकि वर्तमान डिप्टी रेंजर, विवादित वनपाल की भूमिका का उल्लेख कर प्रभार सौंपने को लेकर तैयार नहीं है।

रायगढ़ वन मंडल में इन दिनों विभागीय उथल-पुथल के बीच चर्चाओं का बाजार भी गर्म है। लंबे समय से वर्किंग प्लान कमेटी से जुड़े वनपाल राजेश्वर मिश्रा, मंत्रालय से डिप्टी रेंजर के पद पर प्रमोशन का लेटर आया है। जबकि उनके उपर पहले से कई गड़बड़झाले को लेकर विभागीय जांच चल रहे हैं। इस बीच मंत्रालय से आए पत्र के आलोक में विभागीय अधिकारी, वनपाल को रायगढ़ रेंज में डिप्टी रेंजर का प्रभार सौंपने की कवायद में जुट गए गए है। बकायदा इसके लिए डिजीवन से पत्र भी जारी हो गया है। जबकि वर्तमान डिप्टी रेंजर एसएस यादव, विवादित वनपाल को चार्ज देने को तैयार नहीं है। जिसे विभागीय अधिकारी भी दबे जुंबा से स्वीकार कर रहे हैं। रायगढ़ रेंजर की माने तो दोनों को आपस में बात कर चार्ज लेने व देने को लेकर नसीहत दी जा चुकी है। इस बीच डीएफओ एक बार फिर करीब एक सप्ताह के लिए अवकाश पर चली गई है। ऐसे में, उनके अवकाश पर से लौटने के बाद ही पूरा मामला स्पष्ट होने की बात कही जा रही है।

शासन को कर चुके हैं पत्राचार

इधर विभागीय स्तर पर वनपाल पर चल रहे कई विभागीय जांच का हवाला देकर शासन को पत्राचार भी किया जा चुका है। जिसकी पुष्टि डीएफओ ने खुद की। ऐसे में, वर्तमान डिप्टी रेंजर अपने पर पर कायम करेंगे या फिर वनपाल को डिप्टी रेंजर का प्रभार मिलेगा। इस विषय पर विभाग के अंदर व बाहर चर्चाओं का बाजार गर्म है।

फफूंद लगी रेड लेबल चाय की रिपोर्ट पर छापे, 3 लाख पैकेट जब्त

रायपुर। चाय हर किसी की जिंदगी का अहम हिस्सा है, लेकिन इसमें भी भारी मिलावट हो रही है। छत्तीसगढ़ में हुई बड़ी कार्रवाई में ऐसी ही खौफनाक सच सामने आया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने छत्तीसगढ़ में रेड लेबल टी थोक कारोबारियों के ठिकानों पर छापा मार कार्रवाई कर ढाई करोड़ रुपए की चायपत्ती जब्त की है। कुछ समय पहले हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के इस उत्पादन का

सैंपल जांच के लिए कोलकाता फूड लैब भेजा गया था जहां से इसकी रिपोर्ट नकारात्मक आई। रिपोर्ट आने के बाद 3 लाख पैकेट जब्त करने की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। चाय पत्ती के सैंपल की जांच रिपोर्ट में फफूंद व आयरन की मात्रा चार गुना ज्यादा होने का खुलासा ने एक दिन पहले ही कर दिया था। विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. अजय कन्नौजे व डॉ. अश्वनी देवांगन की अगुवाई में टीमों ने छापामार कार्रवाई की। मंगलवार सुबह से गोदामों में दबिश देकर करोड़ों का माल जब्त किया गया। शाम तक ब्रुक बांड रेड लेबल टी, ताजा मसाला और ताजा टी के लगभग 3 लाख पैकेट जब्त किए, जिनकी कीमत ढाई करोड़ रुपए आंकी गई। गौरतलब है कि अगस्त 2016 में बेमेतरा में खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने थोक कारोबारी के गोदाम से चाय के सैंपल लिए थे। कोलकाता लैब की जांच में तय 250 पीपीएम के बजाय 4 गुना ज्यादा यानी 1007.07 बताई गई है, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाली है।

विधायक खरीद-फरोख्त में पूर्व सीएम अजीत जोगी को बड़ी राहत

रायपुर। विधायक खरीद-फरोख्त के आरोप में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी को सीबीआई अदालत से बड़ी राहत मिली है। सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को विशेष जज पंकज जैन ने मंजूर कर लिया। प्रकरण में जोगी के पुत्र अमित जोगी, पूर्व सांसद पीआर खूंटे और उनके पुत्र ओमप्रकाश खूंटे भी सहआरोपी थे। 2003 के चुनाव में भाजपा की जीत के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री जोगी पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगा। वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय की शिकायत पर अदालत ने सीबीआई को 5 बिन्दुओं पर जांच के आदेश दिए थे। सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 12, सहपठित धारा 120 बी 34 के तहत चारों पर एफआईआर दर्ज की थी। 2006 में सीबीआई ने कानूनी सलाह ली, जिसमें कहा गया कि जोगी कार्यवाहक मुख्यमंत्री थे, इसलिए एफआईआर नहीं हो सकती। 2013 में सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट पेश की तो पांडे ने का कहना था कि जब सीबीआई ने स्वीकार किया है, पत्र की लिखावट जोगी की है, पैसे जोगी के थे और टेप में उनकी आवाज है, तो और क्या सबूत खोज रही है। कोर्ट ने इस पर सीबीआई से जवाब मांगा था। सीबीआई ने पिछले साल जवाब कोर्ट में पेश किया।

क्या था मामला

जोगी पर आरोप था कि भाजपा के 8 विधायकों को खरीदने की कोशिश की थी। उन्हें 45 लाख रुपए नकद और बस्तर के तत्कालीन सांसद बलीराम कश्यप को मुख्यमंत्री पद देने की बात कही गई थी।

कैशलेस हुआ रेलवे के रिजर्वेशन काउंटर, लगी स्वाइप मशीन

न्यायासाक्षी/रायगढ़।

बिलासपुर, रायपुर जैसे बड़े रेलवे स्टेशनों की तर्ज पर रायगढ़ में भी टिकट काउंटर पर स्वाइप मशीन लगा दिया गया है। कैशलेस की इस पहल में बिलासपुर मंडल से स्वाइप मशीन रायगढ़ भेजी जा चुकी है। जिसे रिजर्वेशन काउंटर पर लगा भी दिया गया है। हालांकि इंटरनेट की कनेक्टविटी कमजोर होने की वजह से रविवार के दिन इसका इस्तेमाल नहीं किया जा सका है। हालांकि रेलवे के अधिकारी इसे समस्या को जल्द दूर करने की बात कह रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार को स्थानीय रिजर्वेशन काउंटर पर स्वाइप मशीन को इंटरनेट से जोड़ने के साथ ही उसे स्थापित किया। कई यात्री अपना एटीएम कार्ड भी स्वाइप करते नजर आए। पर नई तकनीक व इंटरनेट के कमजोर कनेक्टविटी की वजह से पहले दिन यात्रियों को इसका लाभ नहीं मिल सका। जिसकी वजह से उनके चेहरे पर मायूसी भी देखी गई। हालांकि रेलवे के अधिकारी इस समस्या को जल्द ही दूर करने की बात कह रहे हैं। वहीं कैशलेस इंडिया की इस पहल खुद को शामिल होने का दावा कर रहे हैं। विदित हो कि स्वाइप मशीन लगाने को लेकर दो साल पहले हुए सर्वे हुआ था।

यात्रियों को लेन-देन करने में होगी सुविधा, दो साल पहले हुआ था सर्वे

पर बाद में रेलवे ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया था। पर नवंबर माह के पहले सप्ताह में जब नोटबंदी का फैसला आया। वहीं यात्रियों को लेन-देन करने में जब परेशानी हुई तो रेलवे को दो साल पूर्व हुए अपने सर्वे की याद आई। जिसमें सभी टिकट काउंटरों पर स्वाइप मशीन लगाने की वकालत की गई थी।

जनरल टिकट काउंटर पर भी लगेगा मशीन

रेल अधिकारियों की माने तो रिजर्वेशन काउंटर के बाद जनरल टिकट काउंटर पर भी स्वाइप मशीन लगाया जाएगा। जिससे यात्रियों को कैशलेस ट्रांजेक्शन की सुविधा मिल सके। जानकारों की माने तो इस माह के अंत तक जनरल टिकट काउंटर पर भी स्वाइप मशीन की सुविधा मिलने लगेगी।